भारत और वियतनाम की साझा विरासत व्यापार और निवेश में सहयोग बढ़ाने के लिए एक सही लॉन्च पैड: लोक सभा अध्यक्ष

...

भारत और वियतमान का वैश्विक एवं क्षेत्रीय शांति के विषय पर साझे दृष्टिकोण हैं: लोक सभा अध्यक्ष

...

संसदीय आदान-प्रदान द्विपक्षीय संबंधों के आधार स्तंभ हैं: लोक सभा अध्यक्ष

...

हनोई; 21 अप्रैल, 2022: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला के नेतृत्व में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल, जो 19 से 25 अप्रैल, 2022 तक वियतनाम और कंबोडिया के दौरे पर है, ने आज हो ची मिन्ह सिटी के पार्टी सेक्रेटरी महामहिम श्री न्युएन वान नेन से भेंट की।

यह रेखांकित करते हुए कि वियतनाम और भारत के मध्य अनेक मुद्दों पर उल्लेखनीय समानताएं हैं, श्री बिरला ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्थिति में बदलाव होने के बाबजूद दोनों देशों के बीच मित्रता और सहयोग की एक लंबी परंपरा रही है। श्री बिरला यह भी उल्लेख किया कि यह स्थिति क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर भारत और वियतनाम के बीच संबंधों की परिपक्वता और मजबूत संबंधों के महत्व को दर्शाती है।

यह उल्लेख करते हुए कि दोनों देश समान चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और समान विकासात्मक दृष्टिकोण साझा करते हैं, श्री बिरला ने सुझाव दिया कि द्विपक्षीय सहयोग को जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, स्वास्थ्य देखभाल और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में और अधिक विस्तारित किया जाना चाहिए। रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता का उल्लेख करते हुए, श्री बिरला ने विचार व्यक्त किया कि रक्षा उद्योग, समुद्री सुरक्षा, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना जैसे क्षेत्रों में बढ़ते रक्षा सहयोग ने द्विपक्षीय संबंधों को काफी गति प्रदान की है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि द्विपक्षीय रक्षा संबंध हमारे भारत-प्रशांत क्षेत्र की शांति और स्थिरता बनाए रखने में एक प्रमुख भूमिका निभाएंगे।

श्री न्युएन वान नेन ने कोविड महामारी के दौरान वियतनाम को प्रदान किए गए भारत के समर्थन तथा टीकों, दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति की सराहना की। उन्होंने श्री बिरला से हो ची मिन्ह सिटी और भारत के बीच सीधी उड़ान शुरू करने की दिशा में प्रयास करने का भी अनुरोध किया। श्री बिरला ने आश्वासन दिया कि वह भारत सरकार को उनकी इस भावना से अवगत कराएंगे।

संसदीय सहयोग पर बोलते हुए, लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि संसदीय आदान-प्रदान द्विपक्षीय संबंधों की आधारशिला रहा है क्योंकि इस तरह के आदान-प्रदान के दौरान जनप्रतिनिधि एक-दूसरे के साथ उद्देश्यपूर्ण तरीके से विचारों का आदान-प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत और वियतनाम इस वर्ष राजनयिक संबंधों

की 50वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, जो हमारे संबंधों को और विकसित करने और द्विपक्षीय सहयोग को सुदृढ़ बनाने का एक अनूठा अवसर है।

बाद में, श्री बिरला ने वियतनाम में भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित एक सामुदायिक कार्यक्रम में भाग लिया।